|  |
| --- |
| 19. Februar 2023 |
| **07. Sonntag im Jahreskreis A** |
| Erste Lesung: Lev 19, 1-2.17-18; Zweite Lesung:1 Kor 3, 16-23; Evangelium: Mt 5, 38-48 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 140, 1-3! | Kommt herbei |
|  | GL 148, 1-3 | Komm her, freu dich mit uns |
| Kyrie: | GL 437, 1-4 | Meine engen Grenzen |
|  | GL 161 | Du rufst uns, Herr |
| Gloria: | GL 172 | Gott in der Höh |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 103 (102), 1-4.9-10.12-13 |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 57, 1 | Meine Seele, preise den Herrn |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 351, 1+4! | Komm, Schöpfer Geist |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | Ruf: GL 175, 4 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Wer sich an Christi Wort hält,* |
|  | *in dem ist die Gottesliebe wahrhaft vollendet.* |
|  |  |  |
| Credo: | GL 792, 1-3! | Ich glaube, Herr, mit Zuversicht |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 543, 1-3 | Wohl denen, die da wandeln |
|  | GL 440 | Hilf, Herr, meines Lebens |
|  | GL 146, 3+4 | Wir hören Herr, auf dein Gebot |
|  | GL 458, 1.2!-4 | Selig seid ihr |
|  | GL 474, 1-4! | Wenn wir das Leben teilen |
| Sanctus: | GL 199 | Heilig |
|  |  |  |
| Friedensgruß/ | GL 798, 1+2 | Wo Meschen sich vergessen |
| Agnus Dei: | GL 206 | Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 281, 2+3! | Seht, wie ich, der Herr, euch liebe |
|  | GL 348, 4 | Du mächtger Hauch |
|  | GL 414, 1-5! | Herr, unser Herr |
|  | GL 451, 1+2! | Komm, Herr, segne uns |
|  | GL 456, 4 | Vater unsres Lebens |
|  | GL 796 | Herr, wir bitten |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 427, 1+2 | Herr, deine Güt ist unbegrenzt |
|  | GL 384, 2 | Hoch sei gepriesen |
|  | GL 395, 1-3 | Den Herren will ich loben |
|  | GL 362 | Jesus Christ, you are my life |
|  | GL 389, 4-6 | Dass du mich einstimmen lässt |